पाठ 51

1. जब यीशु ने यहूदियों को शिक्षा देना शुरू किया तो वह कितने साल का था?

-वह 30 साल का था।

2. परमेश्वर का सुसमाचार क्या था जो यीशु ने सिखाया?

-परमेश्वर की अच्छी खबर यह है कि भले ही हमारे पाप को मौत की सजा दी जानी चाहिए, परमेश्वर हमें बचाने के लिए उद्धारकर्ता भेज रहे थे।

3. वह उद्धारकर्ता कौन था जिसे परमेश्वर लोगों को बचाने के लिए भेज रहा था?

-यीशु।

4. यीशु का क्या मतलब था जब उसने कहा, "समय आ गया है, और परमेश्वर का राज्य निकट है"?

-यीशु का मतलब था कि उद्धारकर्ता का समय आ गया है, और यह कि परमेश्वर का राज्य जल्द ही शैतान के राज्य को हरा देगा।

5. एक व्यक्ति परमेश्वर को खुश करने का एकमात्र तरीका क्या है?

-परमेश्वर के वचन में विश्वास करके।

6. यीशु ने मनुष्यों को अपने साथ रहने के लिए क्यों बुलाया?

-क्योंकि यीशु उन्हें सिखाना चाहते थे ताकि वे दूसरे लोगों को परमेश्वर के बारे में सिखा सकें।

7. कानून के शिक्षक कौन थे?

-वे फरीसी थे।

8. यीशु की शिक्षा फरीसियों की शिक्षा से किस प्रकार भिन्न थी?

-क्योंकि यीशु परमेश्वर था, यीशु परमेश्वर पिता को जानता था।

-फरीसी पिता परमेश्वर को नहीं जानते थे।

-क्योंकि यीशु परमेश्वर था, यीशु परमेश्वर का वचन जानता था।

-फरीसी परमेश्वर के वचन को नहीं जानते थे।

-क्योंकि यीशु परमेश्वर थे, यीशु ने परमेश्वर के वचन पर विश्वास किया।

-फरीसियों ने परमेश्वर के वचन पर विश्वास नहीं किया।

9. शुरुआत में, राक्षस बनने से पहले राक्षस कौन थे?

-शुरुआत में, राक्षस अच्छे स्वर्गदूत थे जिन्हें परमेश्वर ने तब तक बनाया जब तक वे शैतान का अनुसरण नहीं करते और दुष्ट बन गए।

10. क्या दुष्टात्माएँ जानती हैं कि यीशु ही परमेश्वर है?

-हां।

11. दुष्टात्माएँ यीशु से क्यों डरते हैं?

-क्योंकि राक्षसों को पता है कि यीशु उन्हें किसी भी समय अनन्त आग की झील में फेंकने में सक्षम हैं।

12. पाप कैसे होता है कुष्ठ रोग?

-जिस तरह आदमी खुद को कोढ़ से ठीक नहीं कर पा रहा था, उसी तरह सभी लोग खुद को पाप से ठीक नहीं कर पा रहे हैं।

-जैसे कोई दूसरा आदमी उस आदमी को कोढ़ से चंगा करने में सक्षम नहीं था, उसी तरह कोई दूसरा आदमी हमें पाप से चंगा करने में सक्षम नहीं है।

-जिस प्रकार केवल यीशु ही मनुष्य को कोढ़ से चंगा करने में सक्षम थे, उसी प्रकार केवल यीशु ही हमें पाप से चंगा करने में सक्षम हैं।

-एक रात नीकुदेमुस नाम का एक आदमी यीशु से मिलने आया।

आइए पढ़ें यूहन्ना 3:1-2

1-फरीसियों में से नीकुदेमुस नाम का एक पुरूष यहूदी शासक परिषद का सदस्य था।

2-वह रात को यीशु के पास आया और कहा, "हे रब्बी, हम जानते हैं कि तू एक शिक्षक है जो परमेश्वर की ओर से आया है। क्योंकि जो चमत्कार तुम कर रहे हो, यदि परमेश्वर उसके साथ न होता तो कोई और नहीं कर सकता।"

-ज्यादातर फरीसी यीशु से नफरत करते थे।

-ज्यादातर फरीसियों ने कहा कि यीशु की शक्ति शैतान से आई है।

-नीकुदेमुस अलग था।

-निकुदेमुस यीशु से नफरत नहीं करता था।

-निकुदेमुस यिशु से बात करना और यिशु से कई सवाल पूछना चाहता था।

-नीकुदेमुस ने यीशु से क्या कहा?

-नीकुदेमुस ने कहा कि वह जानता था कि परमेश्वर ने यीशु को भेजा है।

-नीकुदेमुस को कैसे पता चला कि परमेश्वर ने यीशु को भेजा है?

-क्योंकि यिशु कई ऐसे चमत्कार कर रहे थे जो सिर्फ परमेश्वर ही कर सकते थे।

-यीशु ने नीकुदेमुस को क्या उत्तर दिया?

आइए पढ़ें यूहन्ना 3:3

3- उत्तर में यीशु ने कहा, "मैं तुम से सच सच कहता हूं, कोई परमेश्वर के राज्य को तब तक नहीं देख सकता जब तक वह नया जन्म न ले।"

-यिशु ने कहा कि कोई भी ईश्वर के राज्य को तब तक नहीं देख सकता जब तक कि वह नया जन्म न ले।

-यीशु का क्या मतलब था?

-यीशु का मतलब था कि सभी लोग शैतान के राज्य के तहत पैदा हुए हैं, और उन्हें फिर से जन्म लेना चाहिए।

-कैसे सभी लोग शैतान के राज्य के तहत पैदा हुए हैं?

-जब आदम और हव्वा ने पाप किया और परमेश्वर की अवज्ञा की, तो वे परमेश्वर के राज्य से अलग हो गए।

-जब आदम और हव्वा ने पाप किया और परमेश्वर की अवज्ञा की, तो वे शैतान के राज्य के अधीन आ गए।

-आदम और हव्वा के बच्चे, कैन और हाबिल, शैतान के राज्य में पैदा हुए थे।

-क्योंकि आदम और हव्वा ने पाप किया और परमेश्वर की अवज्ञा की, सभी लोग शैतान के राज्य के अधीन पैदा हुए।

-यीशु का मतलब था कि सभी लोग शैतान के राज्य के तहत पैदा हुए हैं, और उन्हें फिर से जन्म लेना चाहिए।

-नीकुदेमुस ने क्या उत्तर दिया?

आइए पढ़ें यूहन्ना 3:4

4-“आदमी बूढ़ा होकर कैसे पैदा हो सकता है?” नीकुदेमुस ने पूछा। "निश्चित रूप से वह जन्म लेने के लिए अपनी माँ के गर्भ में दूसरी बार प्रवेश नहीं कर सकता!"

-निकुदेमुस यीशु को नहीं समझ पाया।

-निकुदेमुस को यह नहीं पता था कि कोई व्यक्ति फिर से कैसे जन्म ले सकता है।

-निकुदेमुस ने सोचा कि यीशु शरीर के दूसरे जन्म की बात कर रहे हैं।

-क्या यीशु शरीर के दूसरे जन्म की बात कर रहे थे?

-नहीं।

-यीशु ने क्या उत्तर दिया?

आइए पढ़ें यूहन्ना 3:5

5-यीशु ने उत्तर दिया, “मैं तुम से सच सच कहता हूँ, कोई भी परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता जब तक कि वह जल और आत्मा से न जन्मे।”

-यीशु ने कहा कि हमें जल और आत्मा से नया जन्म लेना चाहिए।

-पहले यीशु ने कहा कि हमें जल से जन्म लेना चाहिए।

-यीशु का क्या मतलब था "पानी से पैदा हुआ"?

-क्या "जल से जन्म" का अर्थ "बपतिस्मा लेना" है?

-नहीं।

-क्या यीशु का मतलब यह था कि हमें फिर से जन्म लेने के लिए बपतिस्मा लेना चाहिए?

-नहीं।

-क्या बपतिस्मा हमें बचा सकता है?

-नहीं।

-यीशु का क्या मतलब था "पानी से पैदा हुआ"?

-पानी गंदगी का क्या करता है?

-यह साफ करता है।

-जिस तरह पानी गंदगी को साफ करता है, उसी तरह सभी लोगों को भी पाप से शुद्ध होना चाहिए।

-यीशु का क्या मतलब था "पानी से पैदा हुआ"?

-पानी से पैदा होने का मतलब है कि हमें अपने पापों का पश्चाताप करना चाहिए ताकि परमेश्वर हमारे पापों से हमें शुद्ध कर सकें।

-दूसरा, यीशु ने कहा कि हमें आत्मा से जन्म लेना चाहिए।

-यीशु का क्या मतलब था "आत्मा से पैदा हुआ"?

-जब आदम और हव्वा ने पाप किया और परमेश्वर की अवज्ञा की, तो उनकी आत्मा परमेश्वर के लिए मर गई।

-जब आदम और हव्वा ने पाप किया और परमेश्वर की अवज्ञा की, तो उनकी आत्मा जो परमेश्वर को जानने, प्रेम करने और आज्ञा मानने में सक्षम थी, परमेश्वर के लिए मर गई।

-क्योंकि हमारी आत्मा परमेश्वर के लिए मर चुकी है, परमेश्वर को अवश्य ही हमारी आत्मा को एक नया जीवन देना चाहिए।

-यीशु का क्या मतलब था "आत्मा से पैदा हुआ"?

-आत्मा से जन्म लेने का अर्थ है कि पवित्र आत्मा परमेश्वर को हमारी आत्मा को एक नया जीवन देना चाहिए।

-पानी से पैदा होने का मतलब है कि हमें अपने पापों का पश्चाताप करना चाहिए ताकि परमेश्वर हमारे पापों से हमें शुद्ध कर सकें।

-आत्मा से जन्म लेने का अर्थ है कि पवित्र आत्मा परमेश्वर को हमारी आत्मा को नया जीवन देना चाहिए।

-यीशु ने नीकुदेमुस से कहा कि वह आश्चर्यचकित न हो कि उसे फिर से जन्म लेना चाहिए।

आइए पढ़ें यूहन्ना 3:7

7-यीशु ने कहा, "तुम्हें मेरे कहने पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए, 'तुम्हें फिर से जन्म लेना चाहिए।'"

-नीकुदेमुस को इस बात पर आश्चर्य क्यों नहीं होना चाहिए कि उसे फिर से जन्म लेना है?

-यहाँ यीशु ने क्या कहा:

आइए पढ़ें यूहन्ना 3:6

6-यीशु ने कहा, "मांस मांस को जन्म देता है, लेकिन आत्मा आत्मा को जन्म देती है।"

-यीशु का क्या मतलब था, "मांस मांस को जन्म देता है, लेकिन आत्मा आत्मा को जन्म देती है?

-यिशु का मतलब था कि मांस केवल मांस को जन्म दे सकता है।

-यीशु का यह भी अर्थ था कि केवल परमेश्वर ही पवित्र आत्मा है जो मनुष्य की आत्मा को जन्म दे सकता है।

-परमेश्वर के अनुसार, दुनिया में केवल दो लोग हैं।

-वे गोरे लोग और काले लोग नहीं हैं।

-वे अमीर लोग और गरीब लोग नहीं हैं।

-वे युवा और बूढ़े नहीं हैं।

-वे पुरुष और महिला नहीं हैं।

-परमेश्वर के अनुसार, दुनिया में केवल दो लोग कौन हैं?

-वे जो केवल एक बार पैदा हुए हैं, और जिनका नया जन्म हुआ है।

-किसके परिवार में वे लोग हैं जो केवल एक बार पैदा हुए हैं?

-वे शैतान के परिवार में हैं।

-किसके परिवार में वे लोग हैं जिनका नया जन्म हुआ है?

-वे परमेश्वर के परिवार में हैं।

-यीशु ने नीकुदेमुस से और क्या कहा?

आइए पढ़ें यूहन्ना 3:14-15

14-यीशु ने कहा, जैसे मूसा ने जंगल में सांप को उठाया, वैसे ही मनुष्य के पुत्र को भी ऊंचा किया जाना चाहिए,

15-कि जो कोई उस पर विश्वास करे, अनन्त जीवन पाए।"

-क्या आपको रेगिस्तान में मूसा और पीतल के सांप की कहानी याद है?

-क्योंकि इस्राएलियों ने पाप किया और परमेश्वर की अवज्ञा की, परमेश्वर ने उन्हें काटने के लिए जहरीले सांप भेजे।

-बहुत से इस्राएलियों के मरने के बाद, जो इस्राएली जीवित थे, उन्होंने पश्चाताप किया।

-फिर, परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह पीतल का सांप बनाकर उसे एक डंडे पर लटकाए।

-परमेश्वर ने कहा कि अगर इस्राएलियों ने पीतल के सांप को देखा, तो परमेश्वर उन्हें ठीक कर देंगे।

-क्या इस्राएली स्वयं को मृत्यु से बचाने में सक्षम थे?

-नहीं।

-एकमात्र कौन था जो इस्राएलियों को मृत्यु से बचाने में सक्षम था?

-अकेले परमेश्वर।

-यिशु और पीतल के सांप कैसे थे, जिन्हें परमेश्वर ने मूसा को रेगिस्तान में समान बनाने की आज्ञा दी थी?

-यहाँ यीशु ने क्या कहा:

-जैसे पीतल के सांप को खंभे पर लटका दिया जाता था, वैसे ही यीशु को भी लटका दिया जाता था।

-जैसे पीतल के साँप को देखकर इस्राएली बच गए, वैसे ही यीशु भी उन लोगों को बचाएगा जो उस पर विश्वास करते हैं।

-यीशु ने नीकुदेमुस से और क्या कहा?

आइए पढ़ें यूहन्ना 3:16

16-यीशु ने कहा, "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।"

-क्योंकि परमेश्वर सभी लोगों से प्रेम करता है, उसने यीशु को उद्धारकर्ता भेजा।

-यदि हम यीशु पर विश्वास करते हैं, तो हम नहीं मरेंगे, परन्तु परमेश्वर के साथ अनन्त जीवन पाएंगे।

-यीशु ने नीकुदेमुस से और क्या कहा?

आइए पढ़ें यूहन्ना 3:17

17-यीशु ने कहा, "क्योंकि परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिये नहीं भेजा कि जगत पर दोष लगाए, परन्तु इसलिये कि उसके द्वारा जगत का उद्धार करे।"

-परमेश्वर ने यीशु को इस दुनिया में क्यों भेजा?

-क्या परमेश्वर ने यीशु को हमारी निंदा करने के लिए भेजा था?

-नहीं।

-क्या परमेश्वर ने यीशु को हमें नष्ट करने के लिए भेजा था?

-नहीं।

-परमेश्वर ने यीशु को इस दुनिया में क्यों भेजा?

-परमेश्वर ने हमें पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से बचाने के लिए यीशु को भेजा।

-यीशु ने नीकुदेमुस से और क्या कहा?

आइए पढ़ें यूहन्ना 3:18

18-यीशु ने कहा, "जो कोई उस पर विश्वास करता है, उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती, परन्तु जो उस पर विश्वास नहीं करता, वह दोषी ठहराया जा चुका है, क्योंकि उसने परमेश्वर के एकलौते पुत्र के नाम पर विश्वास नहीं किया।"

-क्या जो लोग यीशु पर विश्वास करते हैं, उनकी परमेश्वर द्वारा निंदा की जाएगी?

-नहीं।

-क्या वे जो यीशु पर विश्वास नहीं करते हैं, उन्हें पहले से ही परमेश्वर ने दोषी ठहराया है?

-हां।

-जो लोग यीशु में विश्वास नहीं करते हैं वे पहले से ही परमेश्वर द्वारा निंदा क्यों कर रहे हैं?

-क्योंकि वे यह नहीं मानते कि यीशु ही उद्धारकर्ता परमेश्वर है।

-यीशु ने नीकुदेमुस से और क्या कहा?

आइए पढ़ें यूहन्ना 3:19-20

19-यीशु ने कहा, "यह निर्णय है: जगत में प्रकाश आया है, परन्तु लोगों ने प्रकाश के बजाय अंधकार को पसंद किया क्योंकि उनके काम बुरे थे।

20-जो कोई बुराई करता है, वह ज्योति से बैर रखता है, और इस भय से ज्योति में न आएगा, कि उसके कामों का पर्दाफाश हो जाएगा।

-यिशु ने कहा कि वह प्रकाश है जो दुनिया में आया है।

-यिशु ने कहा कि बुरे लोग रोशनी नहीं चाहते।

-यिशु ने कहा कि बुरे लोग अंधेरे में रहना चाहते हैं।

-बुरे लोग अंधेरे में क्यों रहना चाहते हैं?

-क्योंकि वे अपने पाप से प्यार करते हैं।

-लोग परमेश्वर के वचन को क्यों नहीं सुनना चाहते हैं?

-क्योंकि वे अपने पाप से प्यार करते हैं।

-क्या आप अंधेरे में रहना चाहते हैं, या आप परमेश्वर का वचन सुनना चाहते हैं?